Department : Economics		
Academic Year: 2023-24		
Sr. No.	**Programme Code**	**Name of the Programme**
01.	107	B.A. VIth Semester (Dissertation/Project)

Manisha

Head
Dept. of Economics
GURU GHASIDAS UNIVERSITY
BILASPUR (C.G.)

Signature and Seal of the Head

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर – 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

"दंतेवाड़ा के आर्थिक विस्तार और समृद्धि में ग्रामीण औद्योगीकरण का योगदान"

गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

सामाजिक विज्ञान अध्ययन शाला के अंतर्गत अर्थशास्त्र विषय में

स्नातक

उपाधि हेतु प्रस्तुत

लघु शोध प्रबंध

सत्र 2023-2024

प्रस्तुतकर्ता
सरोजीत मंडल
बी.ए. षष्ठम सेमेस्टर
अर्थशास्त्र विभाग
नामांकन क्रमांक: GGV/21/08151

निर्देशक
असिस्टेंट प्रोफेसर (अर्थशास्त्र विभाग)
डॉ. टी. आर. रात्रे

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर – 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

अर्थशास्त्र विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, २००९ संख्या 25 2009 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर-495009 (छ.ग.)
दूरभाष; 07752-260412
ई-मेल; economicsdepartmentggv@gmail.com

Department of Economics
Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur
(A central University Established under the Central University Act, 2009 No 25 of 2009)
Koni, Bilaspur-495009 (C.G.)
Phone: 07752-260412
E-Mail: economicsdepartmentggv@gmail.com

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **सरोजीत मंडल** बैचलर ऑफ आर्ट्स (बी.ए.) के षष्ठम सत्र के अर्थशास्त्र विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.) परियोजना कार्य शीर्षक **"दंतेवाड़ा के आर्थिक विस्तार और समृद्धि में ग्रामीण औद्योगीकरण का योगदान" दंतेवाड़ा संभाग के विशेष संदर्भ में"** पर अपने परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा किया हैं ।

यह परियोजना कार्य गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर में बी.ए. षष्ठम सत्र अर्थशास्त्र में स्नातक उपाधि हेतु प्रस्तुत किया जा रहा हैं। मेरे जानकारी के अनुसार छात्र सरोजीत मंडल के द्वारा यह कार्य पूर्णतः मौलिक हैं।

दिनाँक -
स्थान – बिलासपुर

डॉ. टी. आर. रात्रे
अर्थशास्त्र विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग)

S.NO.	विषय सूचि	पृष्ठ संख्या
01	**अध्याय प्रथम (१) :-** **प्रस्तावना** (1.1) विषय का महत्व एवं वर्तमान अध्यन का उद्देश्य (1.2) शोध परिकल्पना (1.3) शोध प्रविधि (1.4) शोध अध्यन का छेत्र [दंतेवाड़ा, छत्तीसगढ़]	01-09
02	**अध्याय द्वितीयः(२) :-** **ग्रामींण औधोगीकरण का महत्व एवं साहित्य समीक्षा** (2.1) साहित्य समीक्षा (2.2) ग्रामींण औधोगीकरण का महत्व (2.3) ग्रामीणं विकास का महत्त्व (2.4) ग्रामीण छेत्रों के लघु उद्योगों के विकास के उद्देश्य	15-22
03	**अध्याय तृतीय (३) :-** **आर्थिक विकास में ग्रामीण उधोगों की भूमिका** (3.1) भारत के निर्यात में गाँव के लघु उद्योगों की भूमिका (3.2) अध्ययन छेत्र (दंतेवाड़ा) के विशेष सन्दर्भ में (3.3) आर्थिक एवं सामाजिक प्रभाव	23-28